RITUAL METHOD OF WEARING

বৃহস্পতিবার সকালে শুক্লপক্ষে মন্ত্র জপ করে ধারণ করতে হবে।

দেবতানাং ঋষিনাঞ্চো, গুরুং কণকসন্নিভং। বন্ধভূতং ত্রিলোকেশং তং নমামি বৃহস্পতিম।

इसे गुरुवार की सुबह शुक्ल पक्ष में मंत्र जप करके धारण करना चाहिए।

देवानां च ऋषीणां च गुरुं काञ्चनसन्नभिम् ।बुद्धभूतं त्रलिोकेशं तं नमामि बृहस्पतमि् ॥

IT SHOULD BE WORN ON THURSDAY MORNING DURING THE SHUKLA PAKSHA, AFTER CHANTING THE MANTRA.

Devānāṁ cha ṛṣīṇāṁ cha guruṁ kāñchana-sannibhamBuddhi-bhūtaṁ trilokeśaṁ taṁ namāmi Bṛhaspatim ॥